BHARATI INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH & DEVELOPMENT (BIJMRD)

(Open Access Peer-Reviewed International Journal)

DOI Link : https://doi.org/10.70798/Bijmrd/04031023

Available Online: www.bijmrd.com | BIJMRD Volume: 4 | Issue: 03(1) | March 2026 | e-ISSN: 2584-1890

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियो के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन

नेहा प्रजापति & डॉ. स्वाति पाण्डेय

1. शोधार्थी (शिक्षा), स्वामीश्रीस्वरूपानंदसरस्वतीमहाविद्यालयभिलाई (प्राध्यापक) भारती विश्व.वि.पुलगाव, दुर्ग
2. शोध निर्देशक (शिक्षा), स्वामीश्रीस्वरूपानंदसरस्वतीमहाविद्यालयभिलाई (प्राध्यापक) भारती विश्व.वि.पुलगाव, दुर्ग

Abstract:

शोध सारांश

किसी भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक वैज्ञानिक, सामाजिक एवं मानवीय क्षमता प्रदान करने वाले विद्यार्थी राष्ट्र की महत्वपूर्ण धरोहर है। अतः विद्यार्थियो का समुचित विकास प्रत्येक राष्ट्र के लिए आवश्यक है । समन्वित व्यवहार तथा प्रभावी अधिगम हेतु विद्यार्थियो का समग्र रूप से स्वस्थ्य होना आवश्यक है। जिससे वे राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे तथा शक्ति सम्पन्न समर्थ, दक्ष और सार्थक नागरिक सिद्ध हो सके। मानसिक स्वास्थ्य का अभाव विभिन्न समस्याओ का कारण है। संसार के सभी मनुष्य शान्ति पूर्ण जीवन जीने की इच्छा रखते है। संतुष्ट तथा सुखमय जीवन का आधार अच्छास्वास्थ्य है। जो व्यक्ति को अर्थपूर्ण एवं सक्रिय जीवन जीने लिए प्रेरित करता है। स्वास्थ्य मानव का प्रमुख गुण है।इस शोध पत्र में न्यादर्शमें 100 विद्यार्थियों को लिया गया है शोध उपकरण मानसिक स्वास्थ्य के मापन के किए ए.के. सिंग एवं अल्पना सिंग गुप्ता एवं व्यक्तित्व के मापन के लिए के.एस. मिश्रा के द्वारा निर्मित उपकरण का उपयोग किया गया, शोध विधि में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है । निष्कर्ष में उच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यप्राप्तांकोमेंसमानताका आभावहै। उच्चमाध्यमिकस्तरपर, बालकएवंबालिकाओंकीव्यक्तित्व केप्राप्तांकोमेंसमानताकाअभावहै। विद्यार्थियों के मानसिक स्वस्थ एवं व्यक्तित्व में सार्थक अंतर पाया गया है।

मुख्य शब्द - *मानसिक स्वास्थ्य , व्यक्तित्व, विद्यार्थी , सर्वांगीण विकास।*

प्रस्तावना

जीवन के हर परिस्थिति में हमे यह शक्ति भी शारीरिक पक्ष की महत्ता स्थापित करती है। इसके साथ ही साथ यह भी उल्लेख किया गया है कि मन के स्वस्थ होने पर ही शरीर की स्वस्थता सम्भव है। इस प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का विशेष महत्व है। मानसिक स्वास्थ्य सम्प्रत्यय के स्वरूप के सम्बन्ध में विभिन्न मनोवैज्ञानिको, मनोचिकित्सको औरविद्वानो ने भिन्न - भिन्न विचार प्रस्तुत किया है:-

चरो की व्याख्या

मानसिक स्वास्थ्य- मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति द्वारा अपनी भावनाओं, इच्छाओं, महत्वकाक्षाओं और आदर्शो को वास्तविक धरातल तक सीमित रखने और अपने आपको अपने पर्यावरण के अनुसार ढ़ालने और उसके साथ समायोजन करने अथवा अपने पर्यावरण को अपने अनुकूल ढ़ालने और उसके समायोजन करने की योग्यता है।

कट्स और मीस्ले (1941)ने लिखा है कि मानसिक स्वास्थ्य वह योग्यता है। जिससे हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से अपना सामंजस्य स्थापित करते है और मानसिक स्वास्थ्य वह साधन है जो इस सामंजस्य को सम्भव बनाता है।

व्यक्तित्व - व्यक्तित्व किसी व्यक्ति के सोचने, महसूस करने और व्यवहार का समूह है, जो उसके पूरे जीवनकाल में स्थिर रहता है लेकिन पर्यावरणीय और मनोवैज्ञानिक कारकों से प्रभावित होता है। यह एक व्यक्ति के जैविक, भावनात्मक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक गुणों का एक समावेश है जो उसके स्वभाव और चरित्र को परिभाषित करता है।

उच्च माध्यमिक स्तर- उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य उच्च स्तर के होने से है। इसके अन्तर्गत 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी समाविष्ट होते है। प्रस्तुत अध्ययन में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियो को सम्मिलित किया गया है।

सम्बंधित शोध अध्ययन

- **कुमार पी) अन्य एवं .2013)**ने " एक पर विषय "समस्या समायोजन संबंधित से विशेषताओं व्यक्तित्व की किशोरों किया। अनुसंधान
- **श्रीवास्तव एस) .के .2013)**"किया।निष्कर्ष शोध एक पर विषय "समायोजन एवं व्यक्तित्व का छात्रों में लिंग किसी की समायोजन करने की क्षमता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।
- **बोए)2013)**ने 'बच्चे और किशोरों के सामाजिक आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर एक अध्ययन किया। निष्कर्षों में निम्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं होने की अधिक संभावना थी।
- **बार्टवाल)2014)**ने वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों की सामाजिक बुद्धिमत्ता के संबंध में मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करने के लिए' विषय पर एक अध्ययन किया। वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग कियाशोध के निष्कर्षों से पता चला कि छात्रों के निवास स्थान और लिंग की तुलना करने पर मानसिक स्वास्थ्य में कोई महत्वपूर्ण असमानता थी।

शोध अध्ययन के उददेश्य -

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियो के मानसिक स्वास्थ्य का तुलात्मक अध्ययन करना

2. उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियो की व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

H01उच्च माध्यमिक स्तर पर बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य के प्राप्तंको में सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

H02उच्च माध्यमिक स्तर पर बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांको में सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

अध्ययन का परिसीमांकन

प्रस्तुत लघु शोध कार्य की निम्न परिसीमाएँ है:-

प्रस्तुत लघु शोध कार्य में केवल दुर्ग जिले में स्थित उच्चरमाध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 11वीं कक्षा के 100 विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त विधि -

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का चयन किया है।

न्यादर्श:-

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने प्रदतों का संकलन करने के लिए दुर्ग के बालक एवं बालिकाओं के लिए दो विद्यालय का चयन किया गया है। न्यादर्श में एक विद्यालय से 50 बालक तथा दूसरे विद्यालय से 50 बालिकाओं का चयन किया गया है।

शोध के उपकरण:-प्रस्तुत अध्ययन हेतु निम्न परीक्षण पत्र का प्रयोग किया गया है -

- **मानसिक स्वास्थ्य मापनी**- अरूण कुमार सिंह एवं अल्पणा सेन गुप्ता(2019) द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग मानसिक स्वास्थ्य मापन के लिए किया गया है।
- **व्यक्तित्व मापनी**- प्रोफ़ेसर के. एस मिश्रा (2020)द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग मानसिक व्यक्तित्व मापन के लिए किया गया है।

आंकडा का प्रस्तुतीकरण विश्लेषण एवं व्याख्या

H_{01} उच्च माध्यमिक स्तर पर बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य प्राप्तांको में सार्थक अन्तर नहीपाया जाएगा ।

तालिका क्र. 1

चर	वर्ग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	डी ऍफ़	टी मूल्य	सार्थकता स्तर
मानसिक स्वास्थ्य	बालक	50	89.58	4.55	98	4.46	सार्थक अंतर है
	बालिका	50	94.52	4.24			

विवेचना :-

तालिका क्र. 2 के अवलोकन सेउच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यकेमाध्यप्राप्तांकक्रमशः 89.58 व 94.52 हैतथामानकविचलनक्रमशः 4.55 व 4.24 हैएवंटीमूल्य 4.46 है। जोकिसार्थकताकेस्तर 0.01 परसार्थकहै। जबकिडीएफ 98 हैइसकातात्पर्यहैकिबालक बालिकाकेमानसिकस्वास्थ्य केमध्यसार्थकअन्तर पाया गयाहै।

अतःशून्यपरिकल्पनाउच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यप्राप्तांकोमेंसार्थकअन्तरनहींहै। शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है इससेस्पष्टहोताहैकिउच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यप्राप्ताकों-मेंसामानताकाअभावहै।

H_{02} उच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकीव्यक्तित्वकेप्राप्तांकोमेंसार्थकअन्तरनहीं पाया जाएगा ।

तालिका क्र. 2

चर	वर्ग	संख्या	माध्य	मानक विचलन	डी ऍफ़	टी मूल्य	सार्थकता स्तर
मानसिक स्वास्थ्य	बालक	50	58.41	5.97	98	6.6	सार्थक अंतर है
H	बाकिका	50	68.40	7.13			

विवेचना:-

तालिका क्र. 2 केअवलोकनकरनेसेउच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेव्यक्तिवकेदृष्टिकोणमाध्यमप्राप्तांकक्रमशः 58.4 व 6.4 हैतथामानकविचलनक्रमशः5.97 व7.13 है।जोकिमूल्य 6.6 है।जोकिसार्थकताकेस्तर 0.01 परसार्थकहै।एवडीएफ 98 है।इसकातात्पर्यहैकिबालकएवंबालिकाओकीव्यतित्वकेमध्योंमेंसार्थकअन्तरहै।अतशून्यपरिकल्पनाउच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकए वंबालिकाओंकी व्यक्तित्वप्राप्तकोंमेंसार्थकअन्तरनहीहै। शून्य परिकल्पना अस्वीकृतकीजातीहै। इससेस्पष्टहोताहैकि- उच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकी व्यक्तिव केप्राप्ताकोंमें समानता का अभावहै।

निष्कर्ष

अध्ययनकेपरिणामप्रस्तुतशोधकीप्रक्रियाकेदौरानप्रदत्तोंकेसंकलनप्रदतोंकेविश्लेषणतथापरिकल्पनाओंकेसत्यापनएवंपरिणामोकी व्याख्याकेबादशोधकर्तानिम्नलिखितनिष्कर्षोंपरपहुंचाहै।

- उच्चमाध्यमिकस्तरपरबालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यप्राप्तांकोमेंसमानताकाआभावहै।
- उच्चमाध्यमिकस्तरपर, बालकएवंबालिकाओंकीव्यक्तित्व केप्राप्ताकोंमेंसमानताकाअभावहै।

बालकएवंबालिकाओंकेमानसिकस्वास्थ्यके प्राप्तांको केमध्यसार्थकअन्तरहैक्योकिआजसमाजमेंमानसिकस्वास्थ्यका अर्थवास्तविकताकेधरातलपरवातावरणसेपर्याप्तसामंजस्यकरनेकीयोग्यताहीनहींहैबल्किदैनिकजीवनमेंभावनाओं, इच्छाओंआदर्शोंऔरमहत्वकाक्षाओंमें
संतुलनरखनेकीयोग्यतासेहै।जिसकातात्पर्यअपनेजीवनकीवास्तविकताओंकासामनाकरनेऔरउनकोस्वीकारकरनेकीयोग्यतासेहो ताहै।

संदर्भग्रन्थसूची -

- मंगल, डा०एस०के० (1991) शुभ्राप्रारम्भिकस्तरपरशारीरिकएवकस्वास्थ्यशिक्षा, आर्याबुकडिपो. 30 करोलबाग, नईदिल्ली।
- पांडेकल्पना (2016) श्रीवास्तविकएस0एस0एस0 शिक्षाविचारधारा
- भटनागरए०बी०शैक्षिकमनोविज्ञान, इण्टरनेशनलपब्लिशिंगहाऊसमेरठ।
- लाल, रमनबिहारी, जोशीशिक्षामनोविज्ञानएवंप्रारम्भिकसंख्यिकीअधिगमकर्ताकाविकालएवंशिक्षणअधिगमप्रक्रियाआर० लाल०बुकडिपो, मेरठ।
- श्रीवास्तव, डा०ए०के० (2016) शारीरिकशिक्षाएवंमानसिकशिक्षा, दिल्लीइजीनियरिंगकॉलेज, बवानारोड, दिल्लीप्रेरणाप्रकाशन, प्रथमसस्कृत
- डा०एम०के० (2017) स्वास्थ्यएवंशारीरिकशिक्षा, विनोदपुस्तकमन्दिरआगरा 2 तृतीयसस्कृरण
- धानीयोगराज (2018) शारीरिकशिक्षाऔरस्यारथ्यसंबंधीशिक्षाप्ररणाप्रकाशनदिल्ली
- आराधनाविपित्तवस्येतामनोविज्ञानऔरशिक्षामेंमापनएवंमूल्याकंनसेंटजोसेफकालेजआगरा।
- शर्माडा०बी०एल०सक्सेनाडा०आर०एन०यू०जी०सी०नेटशिक्षाशास्त्रआरलालबुकडिपोमेरठ
- विज्ञानऔरप्रौद्योगिकीमेंवैज्ञानिकअनुसंधानकाअंतर्राष्ट्रीयजर्नल (www.ijsrst.com) खंड 6, अंक 1
- डॉ०गिरीशकुमारपत्स Int J Sci Res Sci Technol January-February-2019: 6(1): 708-711

Citation: **प्रजापति. ने. & पाण्डेय. डॉ. स्वा.,** (2026) "उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियो के मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व का तुलनात्मक अध्ययन", *Bharati International Journal of Multidisciplinary Research & Development (BIJMRD)*, Vol-4, Issue-03(1), March-2026.